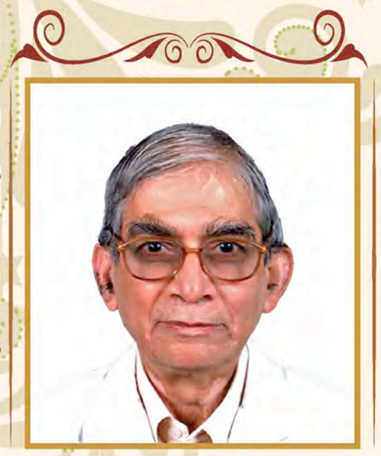


डॉ. तपन कुमार लाहिड़ी

Dr. Tapan Kumar Lahiri



पद्म श्री

Padma Shri



राष्ट्रपति से अलंकरण प्राप्त करते हुए

Receiving the decoration from the President

डॉ. तपन कुमार लाहिड़ी

डॉ. टी. के. लाहिड़ी के नाम से लोकप्रिय डॉ. तपन कुमार लाहिड़ी बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के चिकित्सा संस्थान में कार्डियोवास्कुलर एंड थोरासिक सर्जरी के प्रख्यात प्राध्यापक हैं।

2. आपका जन्म 3 जनवरी, 1941 को हुआ तथा आपने चिकित्सा में राष्ट्रीय मेडिकल कॉलेज कोलकता से वर्ष 1962 में एम बी बी एस की डिग्री प्राप्त की है। एम बी बी एस के पश्चात, आपने बेथ इजरायल हॉस्पिटल न्यू जरसी, संयुक्त राज्य अमेरिका से वर्ष 1969 में पूरी की तथा 1969 में अपनी रेजीडेन्सी रॉयल कॉलेज ऑफ फिजीशन्स एंड सर्जन्स से एफ आर सी एस (सी) अर्हता प्राप्त की। उसके पश्चात आपने एम्स, नई दिल्ली में कार्डियो थोरासिक सर्जरी में एम सी एच किया तथा 1972 में एक दक्ष कार्डियो थोरासिक के रूप में अपनी सेवाएं प्रदान करने लगे।

3. उस समय आपके पास भारत एवं विदेश से रोजगार के बहुत मौके आए परंतु आपने उत्तर प्रदेश तथा बिहार की गरीब जनता की सेवा करने का विकल्प चुना तथा एक लेक्चरर के रूप में बी एच यू में सेवा शुरू की। आप वर्ष 1979 में एक रीडर तथा 1987 में प्रोफेसर के पदों पर आसीन हुए। 2003 में आपकी अधिवर्षिता पर आपसे 70 वर्ष की आयु तक ऐमेरिट्स प्राध्यापक बने रहने का अनुरोध किया गया। वर्ष 2011 में आपसे पुनः हिन्दू विश्वविद्यालय में एक विशिष्ट प्राध्यापक के रूप में बने रहने का अनुरोध किया गया। आपका योगदान एवं चरित्र इतना आदर्शमय और अनुकरणीय है कि आपके बिना बी.एच.यू. की कल्पना नहीं की जा सकती। आपके अथक प्रयासों के कारण बी एच यू का कार्डियो थोरासिक सर्जरी विभाग एक साधारण स्तर से उभरकर देश के सबसे गरिमामय कार्डियोथोरासिक केन्द्रों में से एक केन्द्र के रूप में सामने आया है।

4. आपने उत्तर प्रदेश एवं बिहार में रुग्ण व्यक्तियों की अथक सेवा केवल गठिया एवं आजन्म हृदय रोग के उपचार मात्र से ही नहीं की बल्कि आपने बीमारी के निवारण एवं जीवन शैली प्रबंधन के प्रति लोगों को शिक्षित करके भी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

5. आपने विभिन्न पुरस्कार प्राप्त किए हैं जिनमें काशी शिवा, ऑब्जर्वर पुरस्कार, उत्कृष्ट अध्यापक पुरस्कार, अनुसंधानकर्ता पुरस्कार, सौभाग्य दिवस पुरस्कार, डब्ल्यू एच. स्मिथ पुरस्कार, मनीषी रत्न पुरस्कार, काशी रत्न पुरस्कार इत्यादि शामिल है।

Dr. Tapan Kumar Lahiri

Dr. Tapan Kumar Lahiri, popularly known as T.K. Lahiri, is a Distinguished Professor of Cardiovascular & Thoracic Surgery in Institute of Medical Sciences, Banaras Hindu University (BHU), Varanasi.

2. Born on 3rd January 1941, Dr. Lahiri got his MBBS degree from National Medical College, Calcutta in year 1962. After MBBS he completed his Residency at Beth Israel Hospital, New Jersey,USA in 1969 and qualified FRCS(C) from Royal College of Physicians and Surgeons of Canada in 1969. Thereafter, he did M.Ch. in Cardiothoracic Surgery in AIIMS, New Delhi and became an accomplished Cardio Thoracic Surgeon in 1972.

3. Dr. Lahiri had many job offers in India and US at that time, but he chose to serve the poor population of UP & Bihar and joined BHU Hospital in 1974 as a Lecturer. In year 1979 he became Reader, then Professor in 1987. At the time of superannuation in 2003, he was requested to stay back as Emeritus Professor till the age of 70 years. In year 2011, he was again requested to stay in BHU as a Distinguished Professor. His contribution and character is so exemplary that one cannot think about BHU without him. Due to his constant efforts the Department of Cardiothoracic Surgery in BHU has grown from a modest level to one of the glowing Cardiothoracic centres of the country.

4. Dr. Lahiri relentlessly served the ailing, humanity of UP & Bihar not only by treating patients of Rheumatic & Congenital Heart Diseases but also by constantly educating them regarding prevention of diseases and Life style management.

5. Dr. Lahiri has received numerous awards like Kashi Shiva, Observer award, Best Teacher award, Best Researcher award, Saubhagya Diwas award, WH Smith award, Manishi Ratna award, Kashi Ratna award etc.